

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-55

दिनांक- शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.5 एवं 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 81 प्रतिशत, हवा की औसत गति 15.4 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.3 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.4 एवं दोपहर में 33.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मैसम 83.1 मि०मी० वर्षा हुई।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(19-23 जुलाई, 2025)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19-23 जुलाई, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है। कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 34-38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 28-30 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- विगत पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार में अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई है, अतः किसान भाई धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। मध्यम अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2-3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) का 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टेर क्षेत्र में छिड़काव करें।
- सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें तथा लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर फसल में छिड़काव करें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े 15 से 20 दिनों के हो गये हों, में खर-पतवार निकालें। पौधशाला को धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए 40: छायादार नेट से 6-7 फीट की ऊचाई पर ढकने का कार्य करें। आर्द्रगलन (डेम्पिंग ऑफ) रोग की नियमित रूप से निगरानी करते रहें।
- उच्चोस जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित हैं। बीज दर 18-20 किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- आम के पौधों की उम (10 वर्ष से अधिक) के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुशंसित उर्वरको जैसे 15-20 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, 1.25 किलोग्राम नेत्रजन, 300-400 ग्राम फॉस्फोरस, 1.0 किलोग्राम पोटाश, 50 ग्राम बोरेक्स तथा 15-20 ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आ सकें तथा उनका श्वास्थ अच्छा बना रहें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शककर चिनियाँ, फिआ-23 तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-1 अनुषंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-3 तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित हैं। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दूरी 2.0 मीटर है एवं बौनी जातियों में 1.5 मीटर रखें।

आज का अधिकतम तापमान: 35.6 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 25.2 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी

